।। श्री गणेशाय नमः ।।

हिन्दी पाक्षिक Fort Nightly

Baat Hindustan ki

बात हिन्दुस्तान की

Baat Hindustan Ki

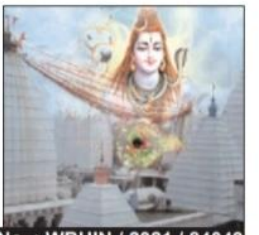

R N I No. : WBHIN / 2021 / 84049

• विक्रम संवत 2081 मार्गशीर्ष शुक्ल प्रतिपदा, 1-15 दिसम्बर 2024 (1-15 Dec. 2024), • वर्ष 4 (Year-4), • अंक 14 • पृष्ठ 4 (Page-4) • मूल्य रु.2 (Price 2/-)

रामनगरी में बनेंगे दो और प्रवेश द्वार, नाम होगा सूर्य-तिलक

रामनगरी अयोध्या की दिव्यता में दो नई कड़ियां जुड़ने जा रही हैं। भव्य प्रवेश द्वारों की श्रृंखला में यहां दो और प्रवेश द्वार बनाए जाएंगे। एक द्वार धर्मपथ पर हनुमान गुफा के पास बनेगा जिसे तिलक द्वार नाम दिया जाएगा। दूसरा द्वार सूर्य द्वार होगा जो दर्शननगर में सूर्य कुंड के निकट होगा। यहां सूर्य देव का प्राचीन मंदिर है जो भगवान राम के कुल देवता हैं।

अयोध्या की आध्यात्मिकता के प्रतीक होंगे दोनों गेट

अयोध्या : भव्यता के नए आयामों से गुजर रही रामनगरी की दिव्यता में दो नई कड़ियां जुड़ने जा रही हैं। भव्य प्रवेश द्वारों की श्रृंखला में यहां दो और प्रवेश द्वार बनाए जाएंगे। एक द्वार धर्मपथ पर हनुमान गुफा के पास बनेगा, जिसे तिलक द्वार नाम दिया जाएगा। तिलक द्वार के उपरी भाग पर दीपों की श्रृंखला सज्जित होगी, जो भगवान राम के वनवास से लौटने पर मनाई जाने वाली दीपावली का प्रतीक होगी, जबकि बीच में रामानंदीय परंपरा का परिचायक तिलक होगा, जो मानवता पर दिव्य आशीर्वाद का चिह्न होगा।

द्वार के दोनों स्तंभों पर शंख, चक्र, गदा, पद्म का चित्रण किया जाएगा, जो भगवान विष्णु का प्रतीक होगा। यह द्वार भगवान राम के शाश्वत मूल्यों की याद दिलाने वाला होगा। दूसरा द्वार सूर्य द्वार होगा, जो दर्शननगर में सूर्य कुंड के निकट होगा। यहां सूर्य देव का प्राचीन मंदिर है, जो भगवान राम के कुल देवता हैं। इस द्वार की भव्यता भी तिलक द्वार की भांति ही होगी। यह द्वार सूर्यवंश का प्रतिनिधित्व करेगा।

तिलक द्वार पंचकोसी परिक्रमा मार्ग पर हनुमान गुफा के प्रवेश द्वार पर बनाया जाना है। उक्त परियोजना की लागत 1.89 करोड़ रुपये है। गेट के लिए आरसीसी पाइलकैप और कॉलम के साथ पाइल फाउंडेशन और माइल्ड स्टील फ्रेम्ड ट्रस स्ट्रक्चर प्रस्तावित है। द्वार का बाहरी हिस्सा फाइबर रीइनफोर्स्ड पालीमर (एफआरपी) का होगा। सूर्य द्वार चौदहकोसी परिक्रमा मार्ग पर सूर्यकुंड पर बनाया जाना है। इसकी लागत 1.05 करोड़ रुपये है। इसके निर्माण में भी वही सामग्री प्रयुक्त की जाएगी, जिससे तिलक द्वार बनाया जाएगा।

विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अभिनी पांडेय ने बताया कि रामनगरी को उसकी गरिमा के अनुरूप सुंदर बनाया जा रहा है। रामनगरी के सुंदरीकरण में ऊसके आध्यात्मिक पक्ष को प्रमुखता से समायोजित किया जा रहा है। तिलक एवं सूर्य द्वार के निर्माण में भी इसका ध्यान रखा गया है।

वाल्मीकि मंदिर में पत्थरों का कार्य पूरा, जल्द लगेंगे दरवाजे

लवलेश कुमार मिश्र, अयोध्या। रामजन्मभूमि परिसर में निर्मित हो रहे वाल्मीकि मंदिर में पत्थरों का कार्य लगभग पूरा हो गया है। सप्त ऋषियों के अन्य छह मंदिरों का कार्य भी पूर्णता की ओर बढ़ रहा है। पत्थरों का कार्य समाप्त हो जाने के बाद अब फर्श बनना शुरू होगा और दरवाजे लगाए जाएंगे। इसी के साथ परिसर में चल रहे विभिन्न प्रकल्पों के निर्माण की गति भी तेज हो गई है। मौसम अनुकूल रहने और श्रमिकों की संख्या पर्याप्त हो जाने से निर्माण में कोई व्यवधान नहीं रह गया है। लगभग 70 एकड़ के रामजन्मभूमि परिसर में वर्तमान में कई प्रकल्पों का एक साथ निर्माण हो रहा है।

राम मंदिर का मुख्य शिखर बन रहा है तो प्रथम व द्वितीय तल की फिनिशिंग चल रही है। राम मंदिर के चारों ओर 790 मीटर लंबा और 14 फीट चौड़ा परकोटा बन रहा है और इसी के मध्य विभिन्न कोणों पर छह देवी-देवताओं के मंदिरों और परकोटे के बाहर रामायणकालीन सप्त ऋषियों के मंदिरों का निर्माण चल रहा है। इनके अलावा परिसर में ही अलग-अलग स्थानों पर शेषावतार लक्ष्मण जी, गोस्वामी तुलसीदास, अहिल्या, शबरी व निषादराज के मंदिर बन रहे हैं।

अवैध बांग्लादेशियों पर बड़ा एक्शन, नादिया में रह रहे 52 लोगों को किया गिरफ्तार

कोलकाता : पिछले साल सिर्फ पश्चिम बंगाल के भारत-बांग्लादेश सीमावर्ती जिले नादिया में कुल 190 अवैध बांग्लादेशी अप्रवासियों को गिरफ्तार किया गया है। इसकी जानकारी राज्य पुलिस के रिकार्ड में दी गई है।

उन्हीं रिकार्डों के अनुसार, 190 में से लगभग 52 को पिछले 45 दिनों के दौरान गिरफ्तार किया गया, जब पड़ोसी बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं और धार्मिक संस्थानों पर लगातार हमलों के कारण राजनीतिक संकट अपने चरम पर था।

रिकार्ड के अनुसार, घटनाक्रम से अवगत सूत्रों ने बताया कि वे सभी जिले के कुछ हिस्सों में बिना बाड़ वाली सीमाओं का लाभ उठाकर भारतीय सीमा में घुस आए और फिर भारत में रहने लगे तथा स्थानीय एजेंटों के नेटवर्क के माध्यम से फर्जी भारतीय पहचान दस्तावेजों की व्यवस्था करने की प्रक्रिया शुरू कर दी।

राज्य पुलिस के एक सूत्र ने बताया कि गिरफ्तार किए गए 190 लोगों में वे लोग शामिल हैं, जो अवैध रूप से सीमा पार कर नादिया जिले के सीमावर्ती गांवों में रहने लगे थे।

उन्होंने कहा, यह पूरी तरह संभव है कि ऊमें से कई नदिया सीमा में घुस आए और फिर भारत में रहने लगे तथा स्थानीय एजेंटों के नेटवर्क के माध्यम से फर्जी भारतीय पहचान दस्तावेजों की व्यवस्था करने की प्रक्रिया शुरू कर दी।

रिकॉर्ड के अनुसार, घटनाक्रम से अवगत सूत्रों ने बताया कि वे सभी जिले के कुछ हिस्सों में छिद्रपूर्ण ओर बिना बाड़ वाली सीमाओं का लाभ उठाकर भारतीय में सीमा पार करने के बाद अन्य जिलों में चले गए हो। ऊस स्थिति में, नदिया जिले में छिद्रपूर्ण सीमाओं के माध्यम से भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने वाले अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों की संख्या बहुत अधिक होगी। पश्चिम बंगाल पुलिस और कोलकाता पुलिस को जानकारी मिली है कि राज्य में अवैध बांग्लादेशी निवासियों के लिए फर्जी भारतीय पासपोर्ट की व्यवस्था करने वाले कई रैकेट संचालित हो रहे हैं, जिनमें से सबसे ज्यादा रैकेट नादिया जिले से संचालित हो रहे हैं। हाल ही में, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के एक पूर्व सहयोगी सलीम मतब्बर को मध्य कोलकाता के पार्क स्ट्रीट इलाके के एक होटल से नकली भारतीय पासपोर्ट के साथ गिरफ्तार किया गया था।

जांच में पता चला कि उसने नदिया जिले से ही संचालित एक रैकेट के जरिए फर्जी भारतीय पासपोर्ट बनवाया था। 30 नवंबर को गिरफ्तार किए गए मतब्बर को उसी फर्जी पासपोर्ट के आधार पर उसी होटल में नौकरी मिल गई थी। उसी दिन, नादिया जिला पुलिस ने नादिया के कृष्णगंज थाना अंतर्गत माजदिया से चार अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों सुमी अख्तर, इमान विश्वास, शंकर विश्वास और रूपकुमार विश्वास को गिरफ्तार किया।

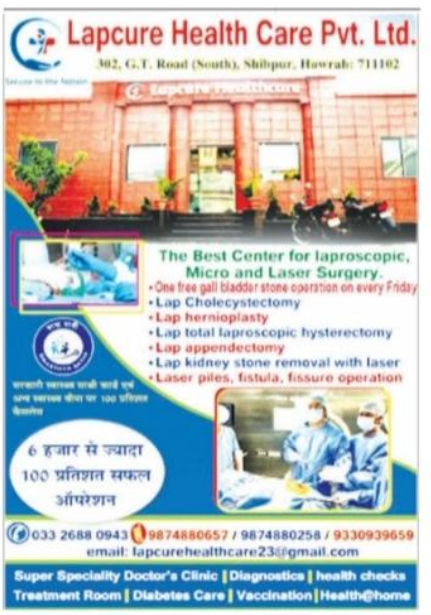

जादू...! गिली गली छू : अलौकिक करतबों के भ्रम जाल का अनोखी कर्तव्य दिखाती विख्यात जादूगर ओ पी शर्मा जूनियर

कोलकाता (वैद्यनाथ झा) : जादू एक ऐसी कला है जो किसी भी समय किसी भी जगह लोगों को मनोरंजन उपलब्ध करती है। आपको बता दें कि जादू की कला काफी वर्षों पुरानी है जो आज भी जादूगर तरह-तरह के अपने कर्तव्य दिखाकर लोगों को आश्चर्यचकित कर दांतों तले उंगलियां दबाने पर मजबूर कर देते हैं। कोलकाता के महाजाती सदन में विख्यात जादूगर ओ पी शर्मा जूनियर अपनी जादू की कला से लोगों को आनंदित कर रहे हैं। 9 नवंबर से 29 दिसंबर तक चलने वाली इस सो के टिकट ऑनलाइन और ऑफलाइन के माध्यम से उपलब्ध है। रविवार के दिन 3 सो दिखाए जाते हैं दोपहर 1:00 बजे शाम को 4:00 और 7:00 वहीं अन्य दिनों में दो सो दिखाए जाते हैं शाम के 4:00 बजे और 7:00 बजे, इस टिकट के शो आप ऑनलाइन ऑफलाइन के माध्यम से ले सकते हैं। मैं आपको इतना सकता हूं कि यह जादू की कला एक ऐसी कला है जो आज के जमाने में आप अपने पूरे परिवार के साथ बैठकर देख सकते हैं और इसका आनंद सभी छोटे बड़े एक साथ ले सकते हैं किसी भी तरह की फुहार वह अश्लील गाने वह अश्लील दृश्य इसमें नहीं देखने को मिलता है। कानपुर के विख्यात जादूगर ओ पी शर्मा जूनियर अपने जादू की कला से लोगों को अस्वस्थ कर आनंद देने का प्रयास कर रहे हैं और लोगों को इस कार्यक्रम के द्वारा जादू देखने के माध्यम से कई तरह के सामाजिक दायित्वों का भी बोध करवा रहे हैं। कई तरह के कार्यक्रम है जिसमें एक ही पिंजरे से दर्जनों कबूतर निकालना रंग बिरंगे छातो को निकालना देखते ही देखे कई तरह के मुख चित्र का बदलना, ड्रिल मशीन के द्वारा एक व्यक्ति को छेद कर मशीन से लटकाना एक ही बॉक्स से कई लड़कियोंको निकालना, हवा में गायब कर देना न जाने कितने ही इस तरह के जादू की कला है जिससे लोगों को आनंद देने का भरपूर

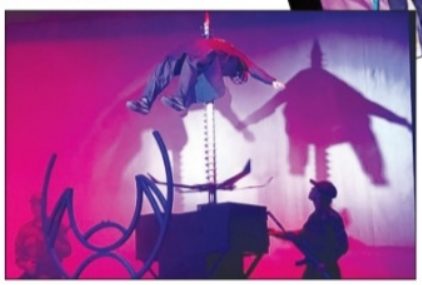

काम कर रहे हैं ,वही जादूगर ओ पी शर्मा जूनियर ने बताया कि यह कोई तांत्रिक विधि नहीं है यह सिर्फ और सिर्फ विज्ञान पर आधारित कला है। इसे विज्ञान के हिसाब से ही देखकर आनंद लें भूत पिशाच या तांत्रिक की देवी शक्ति का अनुभव न करें। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वह एक बार अवश्य महाजाती सदन में उनके खेल को देखने के लिए आए मैं आशा करता हूं कि उन्हें भरपूर आनंद मिलेगा। वहीं उन्होंने राज्य सरकार के बारे में बताया कि देश में कहीं भी मनोरंजन टैक्स नहीं है जो कि यहां सिर्फ कोलकाता में देना पड़ रहा है अगर सरकार इस पर नजर दे तो लोग और भी अपनी कला को मनोरंजन के रूप में लोगों के सामने परोसने का कार्य बखूबी करेंगे वहीं उन्होंने बंगाल की धरती पर जाने-माने विख्यात जादूगर पीसी सरकार को याद करना नहीं भूले उन्होंने कहा कि आज जादू की दिन दुनिया में हम लोग जो कुछ भी हैं इसका सिर्फ एक मात्र कारण है जादूगर पीसी सरकार जिसके कारण हम लोग जाने जाते हैं। जादूगर ओपी शर्मा की एक खास बात देखने को मिली जो कि अपने दशा को के साथ बारी-बारी से स्टेज पर जिन्हें तस्वीर लेने का शौक है उनके साथ बखूबी ए तस्वीरें साझा की। इस दौरान कोलकाता में उपस्थित होने पर जादूगर ओ पी शर्मा जूनियर को जादूगर के के लायल ने माला पहनाकर और पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया, इस अवसर पर उपस्थित थे जादूगर चंद्रशेखर चौधरी मुम्बई, आईबीएम के प्रेसिडेंट अशोक खरबंदा दिल्ली .

प्रेमी के ब्लैकमेल से तंग आकर प्रेमिका ने काटा उसके गुप्तांग

हावड़ा : डोमजूर थाना अंतर्गत पार्वतीपुर इलाके में प्रेमी के ब्लैकमेल से तंग आकर प्रेमिका ने उसके गुप्तांग को ही काट कर अलग कर दिया. बेहद गंभीर हालत में घायल प्रेमी को कोलकाता के एसएसकेएम अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका ऑपरेशन हुआ. पुलिस ने आरोपी प्रेमिका सौम्या खातुन को गिरफ्तार कर लिया है. उसे हावड़ा के सीजेएम कोर्ट में पेश किया गया, जहां मजिस्ट्रेट ने उसे पुलिस हिरासत में भेज दिया. आरोपी ने अपनी गुनाह कबूल कर ली है. उसने कोर्ट के सामने कहा कि प्यार का मतलब हवस नहीं होता है. पुलिस उसे रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है. अब्दुर रहमान और सौम्या खातुन के बीच वर्ष 2018 से प्रेम संबंध था, लेकिन पिछले कुछ महीनों से दोनों के बीच अनबन चल रही थी. सौम्या उससे शादी करना चाहती थी, लेकिन अब्दुर इससे इंकार कर रहा था. आरोप है कि अब्दुर अंतरंग की तस्वीरें दिखाकर सौम्या को लगातार ब्लैकमेल कर रहा था. सौम्या इससे बेहद परेशान थी. रात को सौम्या ने प्रेमी को अपने घर बुलाया. अब्दुर उसके घर पहुंचा. दोनों के बीच प्रेम भरी बातें हुईं. सौम्या ने उससे कहा कि वह उसे सरप्राइज देना चाहती है. अब्दुर को उसकी बातों पर शक नहीं हुआ. सौम्या उसे लेकर अपने घर के पीछे एक बगीचा में गयी. वहां एक पेड़ पर उसके दोनों हाथों को रस्सी से बांध दिया. फिर उसकी आंखों पर भी पट्टी लगा दी. इससे पहले अब्दुर कुछ समझ पाता, सोनिया उसके गुप्तांग को नये चाकू से काट कर अलग कर दिया. चीख-पुकार सुनकर स्थानीय लोगों की भीड़ जुटी. पुलिस भी मौके पर पहुंची. अब्दुर को तुरंत एसएसकेएम अस्पताल ले जाया गया. रविवार दोपहर को डॉक्टरों ने अब्दुर का ऑपरेशन किया है. उसकी हालत नाजूक है. पुलिस को दिये गये बयान में आरोपी ने बताया है कि अब्दुर पहले की अंतरंग तस्वीरों को सोशल मीडिया पर अपलोड करने का ब्लैकमेल कर उसके साथ लगातार शारीरिक संबंध बना रहा था. इसलिए उसने गुप्तांग काटने की योजना बनायी. ऑनलाइन में 180 रुपये कीमत की एक चाकू को बुक किया. चाकू डिलेवरी होते ही उसने गुप्तांग काटने के लिए शाम को अपने घर बुलाया. सौम्या ने कहा कि उसे कोई अपने किये पर कोई पछतावा नहीं है. पुलिस ने चाकू बरामद कर लिया है.

पंचानन तला घाट पर गंगा आरती का आयोजन

कोलकाता : बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स के 20 महिला प्रहरि ऋषिकेश से राफ्टिंग करते हुए सोमवार को बांसबेड़िया पहुंची।इनका स्वागत करने के लिए संजय कुमार, डीआईजी, सेक्टर मुख्यालय बीएसएफ कृष्णानगर, बंसबेडिया नगरपालिका चेयरमैन आदित्य नियोगी ,वाइस चेयरपर्सन शिल्पी सबुज बरण सरकार (पालिका कार्यकारी अधिकारी) और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। बांसबेडिया नगरपालिका , 32 बटालियन बीएसएफ के जवान , नदी राफ्टिंग टीम के सदस्यों और स्थानीय निवासियों द्वारा पंचानन तला घाट पर गंगा आरती का आयोजन हुआ.

डीआईजी संजय कुमार ने बताया की बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स और नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा ने संयुक्त तौर पर राफ्टिंग एक्सपीडिशन का आयोजन किया. ऋषिकेश से गंगासागर तक इस अभियान में बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स के 20 महिला प्रहरी शामिल है.इन लोगों ने 2100 किलोमीटर की दूरी तय की है इन्हें कुल 2500 किलोमीटर की दूरी तय करना है।147 दिनों की यात्रा करते हुए यह लोग सोमवार को बांसबेड़िया पहुंचे. कुल 53 दिन में ये लोग गंगा सागर पहुंच जाएंगे. एक्सपीडिशन टीम जहां भी ठहर रहे हैं वे लोग महिला सशक्तिकरण और क्लीन गंगा अभियान गंगा का संदेश वहां के स्थानीय लोगों और स्कूलों के बच्चों को दे रहे हैं. 2100 किलोमीटर की दूरी तय करने के दौरान इन लोगों ने कई जोखिमों का सामना करना पड़ा. इनमें एकेटिक वाइल्डलाइफ से भी यह जूझते हुए आगे बढ़ते रहे। सब इंस्पेक्टर प्रिया मीणा ने बताया एक्सपेडिशन काफी चुनौतीपूर्ण है,लेकिन पूरे साहस के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं। प्रयागराज जहां महाकुम्भ का आयोजन हो रहा वहां राफ्टिंग बोट पलट गई और चोट भी आई लेकिन हम लोगों ने तुरन्त बोट को सीधा कर लिया और वापस यात्रा शुरू की।इस राफ्टिंग में दो कमांडेंट मनोज सुंदरियाल , एसएच विकाश, महिला सब इंस्पेक्टर प्रिया मीणा,प्रियंका , कांस्टेबल रोबालिना ए मारक, जयंती भूमिज पूर्णिमा कुजूर, सुखमणि खदिया , आरती कुमारी, लक्ष्मी प्रिया, सुचित्रा, नीलम, तान्या घटक, ब्यूटी कुमारी, हेमंती दत्ता, मीनाती करना, शालिनी तिर्की, दीप्तिमई तराई, रिंकू कुमारी, सुष्मिता चौधरी,कविता गोस्वामी और क्रांति भेंगरा शामिल है।

आकाशवाणी दरभंगा केंद्र को बंद करने की साजिश के विरुद्ध प्रदर्शन

दरभंगा : प्रसार भारती द्वारा जारी फरमान में आकाशवाणी दरभंगा को बंद कर इसे मात्र रिले केंद्र के रूप में क्रियान्वित किए जाने के निर्णय के विरोध में विद्यापति सेवा संस्थान ने आकाशवाणी के मुख्य द्वार के सामने शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन किया। संस्थान के इस कार्यक्रम के समर्थन में अखिल भारतीय मिथिला संघ, सखी बहिनपा मैथिलानी संगठन, मैथिल समाज रहिया एवं मिथिला लोक संस्कृति मंच ने धरना प्रदर्शन को मजबूती प्रदान करते हुए एकजुटता के साथ प्रदर्शन में शामिल हुए।

विद्यापति सेवा संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ बुचरू पासवान की अध्यक्षता में आयोजित धरना प्रदर्शन में संस्थान के महासचिव एवं मिथिला मैथिली आंदोलन के शीर्षस्थ स्तंभ डॉ बैद्यनाथ चौधरी बैजू ने कहा कि वर्ष 1976 में आकाशवाणी दरभंगा केंद्र की स्थापना मैथिली भाषा के विकास एवं मिथिला की गौरवशाली संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ इस क्षेत्र में रोजगार सृजन का अवसर तलाशते हुए किया गया था। प्रसार भारती के तानाशाही फरमान को सिरे से खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि आकाशवाणी दरभंगा केंद्र को मैथिली भाषा का स्वतंत्र केंद्र स्थापित करने के लिए मिथिला के साढे आठ करोड़ लोगों को साथ लेकर सड़क से संसद तक की लड़ाई लड़ी जाएगी।

अखिल भारतीय मिथिला संघ के अध्यक्ष विनय कुमार झा संतोष ने कहा कि केंद्र सरकार ने एक तरफ जहां संविधान को मैथिली में अनूदित कर अपनी सदाशयता प्रदर्शित की है वहीं मिथिला की हृदय स्थली में स्थापित आकाशवाणी केंद्र को बंद किए जाने की साजिश समझ में नही आता है। मिथिला लोक संस्कृति मंच के महासचिव प्रो उदय शंकर मिश्र ने कहा कि आकाशवाणी दरभंगा को बंद किए जाने का निर्णय घोर निंदा का विषय है। इसके विरुद्ध जोरदार आंदोलन किया जाएगा। सखी बहिनपा मैथिलानी संगठन की अध्यक्ष आरती झा ने कहा कि सरकार के इस तानाशाही निर्णय के खिलाफ मिथिला और मिथिला के बाहर रह रही मिथिला की बेटियां देशव्यापी आंदोलन करेंगी।

मौके पर मैथिली अकादमी के पूर्व अध्यक्ष पं कमलाकांत झा ने कहा कि जिस आकाशवाणी केंद्र से प्रधानमंत्री के मन की बात का भी प्रसारण विशेष रूप से मैथिली में की जाती हो, उसे बंद करने की कवायत घोर निंदाजनक है। धरना प्रदर्शन के उपरांत डॉ बुचरू पासवान के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने आकाशवाणी केंद्र दरभंगा को साढ़े आठ करोड़ मैथिली भाषियों की भावना का सम्मान करते हुए इसे मैथिली भाषा का स्वतंत्र केंद्र खोले जाने संबंधी ज्ञापन केंद्र प्रमुख आर एन झा को सौंपा। इस शिष्टमंडल में डॉ बैद्यनाथ चौधरी बैजू, विनय कुमार झा संतोष, प्रो उदय शंकर मिश्र, आरती झा एवं विद्यापति सेवा संस्थान के मीडिया संयोजक प्रवीण कुमार झा शामिल थे। धरना प्रदर्शन में शैलेंद्र कुमार कश्यप, रोशन झा, प्रो विजय कांत झा, विनोद कुमार झा, प्रो चंद्रशेखर झा बूढ़ा भाई, रामनाथ पंजियार, प्रतिभा स्मृति, लक्ष्मी सिंह ठाकुर, हरिकिशोर चौधरी, प्रो राजकिशोर झा, राजीव चौधरी, पंकज कुमार, महेश झा, चंद्र मोहन झा पड़वा, शिव शंकर झा, राजेश सिंह ठाकुर, श्याम राम, उदयकांत मिश्र, शुभानंद कुमर, दुर्गानंद झा, डॉ राम सुभग चौधरी आदि की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

'कम जगह वाले घरों' के लिए 'स्मार्ट उपाय'

होम डैकोर

बड़े शहरों में जगह की कमी और छोटे अपार्टमैंट्स का चलन तेजी से बढ़ रहा है। यदि आप एक अपार्टमैंट या स्टूडियो सैटअप में रहते हैं, तो स्मार्ट स्पेस सेविंग डिजाइन आपके घर को न केवल कार्यात्मक, बल्कि खूबसूरत भी बना सकते हैं। हम सभी चाहते हैं कि हमारा छोटा घर भी ऐसा जादू दिखाए।

एक बेहतरीन उदाहरण है मर्फी बैड या दीवार पर लगने वाला बिस्तर, जो दिन में सोफे के रूप में काम करता है और रात में बिस्तर बन जाता है। यह उन छोटे स्थानों के लिए एक उत्कृष्ट बहुउद्देशीय फर्नीचर है, जहां अलग से मेहमानों के लिए कमरा नहीं हो सकता।

भले ही आपका घर बहुत बड़ा न हो, लेकिन हमारे इन टिप्स और ट्रिक्स की मदद से आप इसे और अधिक कार्यात्मक और स्टाइलिश बना सकती हैं। उदाहरण के लिए, फ्लोटिंग डैस्क का इस्तेमाल करें, जिसे आप दीवार पर माऊंट कर सकती हैं और जब जरूरत न हो तो समेट सकती हैं।

आप बंक बैड का भी इस्तेमाल कर सकती हैं, जो बच्चों के कमरे में खेलने या पढ़ाई के लिए अतिरिक्त जगह प्रदान करता है।

इसके अलावा, स्टोरेज ओटोमन जैसे फर्नीचर का चयन करें, जो न केवल बैठने की जगह प्रदान करते हैं बल्कि अंदर सामान रखने की जगह भी देते हैं।

आइए, हर कमरे के लिए कुछ खास स्पेस सेविंग आइडियाज पर ध्यान दें।

बैडरूम : स्पेस और स्टाइल दोनों का सही मेल

छोटा बैडरूम भी बड़े डैकोर सपनों का घर बन सकता है। सही फर्नीचर का चयन करें, जैसे कि क्वीन साइज बैड, जिसमें बिल्ट-इन स्टोरेज ड्रॉअर हो, ताकि आप अतिरिक्त सामान आसानी से रख सकें।

मल्टी-फंक्शनल डिजाइन का इस्तेमाल करें, जैसे कि वार्डरोब के दरवाजे, जो ड्रैसिंग मिरर के रूप में काम करते हैं।

प्रकाश का खेल भी महत्वपूर्ण है; बैड को बड़ी खिड़की के पास रखें, ताकि प्राकृतिक रोशनी कमरे को बड़ा दिखाए।

मिरर्स का इस्तेमाल करें, क्योंकि ये कमरे में गहराई और चमक का अहसास देते हैं।

अंत में, डार्क हैडबोर्ड को कमरे के फोकल प्वाइंट के रूप में बनाएं, जिससे बैडरूम में एक आकर्षक लुक आएगी।

किचन : सीमित जगह में अनलिमिटेड संभावनाएं

छोटी किचन को भी व्यवस्थित और खूबसूरत बनाया जा सकता है। इंटैलिजैंट शैल्विंग का इस्तेमाल करें, जैसे कि फ्रिज के ऊपर या दीवारों के कोनों में शैल्व्स लगाना, जिससे हर इंच का सही उपयोग हो सके।

किचन आइलैंड न केवल स्टोरेज और काऊंटर स्पेस बढ़ाता है, बल्कि यह बैठने की सुविधा भी प्रदान करता है, जिससे परिवार या दोस्तों के साथ समय बिताना आसान होता है।

ग्लास डोर और ओपन शैल्व्स किचन को हल्का और बड़ा दिखाते हैं, जबकि लाइट और न्यूट्रल रंग छोटे किचन को अधिक विशालता का अहसास कराते हैं।

डाइनिंग टेबल : स्मार्ट और स्टाइलिश विकल्प

छोटे अपार्टमैंट्स में डाइनिंग स्पेस के लिए किफायती समाधान उपलब्ध हैं। एक्सटैंडेबल टेबल्स एक बेहतरीन विकल्प हैं, क्योंकि इन्हें अधिक मेहमानों के लिए बढ़ाया जा सकता है, जिससे आपको किसी विशेष अवसर पर सुविधा मिलती है।

ड्रॉप लीफ टेबल्स का इस्तेमाल करें, जिन्हें जरूरत पड़ने पर मोड़ा जा सकता है, जिससे कम जगह में अधिक लचीलापन मिलता है। राऊंड टेबल्स एक अन्य स्मार्ट विकल्प हैं, क्योंकि ये कोनों की कमी से जगह बचाते और बैठने की व्यवस्था को अधिक आरामदायक बनाते हैं।

लिविंग रूम : आराम और कार्यक्षमता का संगम

लिविंग रूम को व्यवस्थित और आकर्षक बनाने के लिए कुछ सरल टिप्स अपनाएं। नैस्टिंग कॉफी टेबल्स एक लोकप्रिय विकल्प हैं; इनमें छोटे टेबल बड़े टेबल्स के नीचे फिट हो जाते हैं, जिससे जगह बचती है।

फोल्डेबल और स्टोरेज टेबल्स का इस्तेमाल करें, जो अतिरिक्त स्टोरेज प्रदान करते हैं और जरूरत पड़ने पर आसानी से समेटे जा सकते हैं।

सोफा-कम-बैड एक बहुउद्देशीय फर्नीचर है, जो दिन में बैठने की सुविधा देता है और रात में आरामदायक नींद प्रदान करता है।

वार्डरोब : छोटे में बड़ा सोचें

छोटे अपार्टमैंट्स में वार्डरोब डिजाइन को क्रिएटिव बनाना आवश्यक है। कॉर्नर वार्डरोब्स का इस्तेमाल करें, जो अनावश्यक स्थानों, जैसे कि कोनों या सीढ़ियों के नीचे फिट होते हैं, जिससे हर इंच का लाभ उठाया जा सके।

स्लाइडिंग डोर छोटे कमरों में पारंपरिक दरवाजों की तुलना में अधिक जगह बचाते हैं और मिरर्ड डोर कमरे को बड़ा और रौशन दिखाते हैं। ओपन वार्डरोब डिजाइन बिना दरवाजों के एक हवादार लुक प्रदान करता है, जिससे आपको अपनी चीजें आसानी से देखने की सुविधा मिलती है।

स्टडी टेबल : कार्यक्षमता का नया आयाम

घर पर काम करने के लिए एक आरामदायक और कॉम्पैक्ट स्टडी टेबल जरूरी है। फ्लोटिंग डैस्क एक उत्कृष्ट विकल्प है; इसे दीवार पर माऊंट किया जा सकता है, जिससे आपको अतिरिक्त फ्लोर स्पेस (फर्श पर स्थान) मिलता है।

कॉर्नर डैस्क का इस्तेमाल करें, जो अनावश्यक कोनों का सही इस्तेमाल करता है, जबकि फोल्डेबल डैस्क काम खत्म होने पर दीवार में समेट्य जा सकता है, जिससे जगह बचती है।

हावड़ा नगर निगम द्वारा हावड़ा शहर को साफ-सुथरा रखना एक महत्वाकांक्षी योजना की पहल

हावड़ा (वैद्यनाथ झा) : हावड़ा नगर निगम की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक है हावड़ा शहर को साफ सुथरा और गंदगी व दुर्गंध से लोगों को मुक्त रखना। इस योजना के लिए नगर निगम की ओर से कई प्रयास किए गए पर ढाक के तीन पात वाली कहावत साबित हुई है। नगर निगम की ओर से शहर को साफ रखने के लिए जो प्रयास किए गए थे उसमें सबसे बड़ी चिंता की विषय यह थी कि हावड़ा शहर पुराने जमाने के स्ट्रक्चर से तैयार है जहां गली-गली जा कर सफाई विभाग के कर्मचारीयों को साफ-सुथरा करने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है क्योंकि वहां पर पड़े गंदगी को उठाने के लिए पतली पतली गलीयो में ट्रकों को ले जाना सम्भव नही हो पा रहा था। इस कारण से नगर निगम ने इस महत्वाकांक्षी योजना को सफल बनाने के लिए गलियों से गंदगी को व कचरे को हटाने के लिए भैन (ट्राली)का सहारा लिया

ताकि पतली पतली गलियों से कचरे को वाहन की सहायता से निकल कर रास्ते तक लाया जाए जहां से बड़ी-बड़ी गाड़ियों के द्वारा उसे शहर से दूर किया जा सके, लेकिन इस योजना में आम जनता के टैक्स के पैसे का भरपूर दुरुपयोग किया गया। यह मैं नहीं कह रहा यह प्रत्यक्ष प्रमाण है कि हावड़ा के शालीमार स्थित बताईतला फारी के नजदीक सड़क किनारे ऐसी कोई भैन देखने को मिलेंगे जो पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं कुछ का तो सिर्फ ढांचा ही बचा है, कई गाड़ियों के टायर नहीं है किसी में रिंग नहीं है किसी का सीट नहीं है तो कई पूरी तरह से जंग खाकर जमीन दोज होने के कागाड़ पड़ है। लेकिन इससे नगर निगम को कोई फर्क नहीं पड़ता आम जनता के टैक्स के पैसे का इस तरह दुरुपयोग करने से लोग काफी ना खुश है। बात हिंदुस्तान की के संवाददाता ने जब इस मामले में वहां के स्थानीय कई लोगों की राय जानी चाहि तो लोग काफी नाराज दिखे लोगों का कहना है कि कड़ी मेहनत करने के बाद दो पैसा इनकम किया जाता है और उस पर सरकार को टैक्स दिया जाता है और टैक्स के पैसे का इस तरह दुरुपयोग आम जनता के पैसे का दुरुपयोग है प्रशासन को इस पर कड़ी व्यवस्था करनी चाहिए। अशोक सिंह नामक एक स्थानीय निवासी ने कहा कि यहां तकरीबन पिछले 1 साल से इसी अवस्था में यहां कई गाड़ियों को देखा जाता है मेरा मानना है कि अगर इन गाड़ियों का उपयोग प्रशासन अपने काम में नहीं कर सकता है तो जो इलाके में गरीब लोग हैं उन लोगों के बीच अगर इसका वितरण कर दे तो वह अपने दो टाइम की रोटी का जुगाड़ इसे बखूबी कर सकते हैं मेहनत करके लेकिन सरकार ऐसा क्यों करेगी। वहीं दूसरी और बाजार करने आए सनातन मुखर्जी नमक एक व्यक्ति ने बताया कि यह हावड़ा नगर निगम की लापरवाही है यहां चुनाव नहीं हुआ है और चुनाव न होने का नतीजा है कि बोर्ड अपनी मनमानी के तहत काम कर रही है टैक्स के पैसे का दुरुपयोग हो रहा है लोग परेशान है गली-गली में गंदगी फैली हुई है और सफाई के नाम पर लोगों से नगर निगम टैक्स वसूलते हैं और सफाई के लिए जो गाड़ियां यहां लाई गई थी उसकी स्थिति बहुत ही खराब हो चुकी है यूं कहें तो चुनाव न होने के कारण निगम की लापरवाही साफ दिख रही है। सफाई के नाम पर सरकार को टैक्स तो दिया जाता है व बखूबी निगम भी टैक्स वसूलते हैं लोग देने से नहीं कतराते हैं लेकिन टैक्स के बाबत उन्हें जो सुविधाएं मिलनी चाहिए वह उपलब्ध नहीं हो पा रही है नगर निगम का चुनाव राज्य सरकार को जल्द से जल्द करना चाहिए।

वही इस विषय पर भारतीय जनता पार्टी के हावड़ा जिला सदर सचिव प्रमोद सिंह का कहना है कि इसमें सबसे बड़ी असफलता सरकार की है सरकार नाकाम है काम करने में लोगों को सुविधा हो रही है मुझे लगता है यह योजना तो काफी लाभदायक थी लेकिन इसका उपयोग सिर्फ 40 नंबर वार्ड में ही देखने को मिलता है वह भी कुछ ही चंद हाथ पर गिने हुए भैन के द्वारा क्योंकि हावड़ा नगर निगम के भाईस चेयरमैन सैकत चौधरी 40 नंबर वार्ड में ही इसको कुछ काम में लगाए हैं बाकी किसी भी अगल-बगल के वार्ड में नहीं देखा जाता है और इस योजना के नाम पर लूट खसोट हुआ है टेंडर के नाम पर कई गाड़ियों को खरीद कर पैसा बर्बाद किया गया धांधली की गई है इसकी जांच होनी चाहिए जनता के टैक्स के पैसे की बर्बादी हो रही है। बोर्ड बनाकर हावड़ा नगर निगम को चलाया जा रहा है जो बैठे हैं वह अपनी मनमानी कर रहे हैं सरकार चुनाव करने में क्यों विफल है इसका जवाब जनता भी जानना चाहती है। वहीं दक्षिण हावड़ा युवा कांग्रेस के अध्यक्ष अमित कुमार तिवारी ने बताया कि इस महंगाई के समय में भी लोग अपना टैक्स पे कर रहे हैं और उसे टैक्स के पैसे की इस तरह बर्बादी आम जनता के पैसे की बर्बादी है चुनाव नहीं होने के कारण लोग अपनी मनमानी कर रहे हैं लोग इसका विरोध भी नहीं कर पा रहे है योजना काफी लाभदायक थी लेकिन इसका उपयोग धरातल पर नहीं होने से फ्लॉप साबित हुई है सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए और जल्द चुनाव कराने चाहिए। वही इस विषय पर हावड़ा नगर निगम के वाइस चेयरमैन सैकत चौधरी का कहना है कि यह योजना हावड़ा नगर को साफ सुथरा रखने के लिए चालू किया गया था जो अभी भी कुछ इलाके में चालू है हां यह बता दूं कि इस योजना में इसे के रखरखाव को लेकर थोड़ी लापरवाही हुई है इसका कारण है हावड़ा शहर में सिर्फ एक ही जगह इसके मेंटेनेंस को लेकर जो काफी दूर होने के कारण समय-समय पर मेंटेनेंस नहीं होने से यह समस्या हुई है वही जिन गाड़ियों का उपयोग करने लायक नहीं है वही गाड़ियां वहां पर रखी हुई है लेकिन नगर निगम एक योजना बना रही है ताकि हर एक वार्ड में इसके रख रखा हुआ मेंटेनेंस को लेकर केंद्र

बनाया जाए ताकि इसका सही उपयोग किया जाए।

बॉलीवुड में 'डेब्यू' सपना पूरा होने जैसा : हरनाज संधू

टाइगर श्रॉफ का समय पिछले कुछ अर्से से ठीक नहीं चल रहा। उसकी हालिया फिल्में टिकट खिड़की पर कोई खास कमाल नहीं दिखा सकी हैं। ऐसे में टाइगर को अपनी एक सोलो हिट का बेसब्री से इंतजार है। इसके लिए वह अपनी हिट फिल्म सीरीज 'बागी' की चौथी किस्त की तैयारी में जुट गया है।

कुछ समय पहले उसने अपनी फिल्म से एक धमाकेदार लुक पोस्टर भी रिलीज किया था। फिल्म में टाइगर के साथ संजय दत्त को कास्ट कर लिया गया है। अब, फिल्म में एक हीरोइन की एंट्री होने जा रही है।

मिस यूनिवर्स 2021 हरनाज कौर संधू ने अपने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की है। फोटो में हरनाज के हाथों में फिल्म 'बागी 4' की स्क्रिप्ट मौजूद है जिसमें उसका नाम लिखा हुआ है। अपनी पोस्ट की कैप्शन में हरनाज ने लिखा, ''12 दिसम्बर की तारीख मेरे दिल में हमेशा एक खास जगह बनाकर रहेगी। आज मैं अपने जीवन के एक नए चैप्टर 'बागी 4' में कदम रख रही हूं। आज से ठीक 3 साल पहले मुझे मिस यूनिवर्स का ताज भी पहनाया गया था और अब इस खास दिन पर मैं अपनी एक नई शुरूआत करने जा रही हूं।''

हरनाज ने आगे लिखा, ''मैं मेरे मैंटर साजिद सर का तहेदिल से धन्यवाद करती हूं, जिन्होंने मुझे यह बेहतरीन मौका दिया। नाडियाडवाला फैमिली को ज्वॉइन करना मेरे लिए सपना पूरा होने जैसा है और मैं दिल से नाडियाडवाला ग्रैंडसन प्रोडक्शन का धन्यवाद करती हूं जिन्होंने मुझमें भरोसा दिखाया और मेरे बॉलीवुड में आने के सपने को हकीकत में बदल दिया। यह मेरे लिए बड़ी सौभाग्य की बात है कि मैं इस जर्नी का हिस्सा

बन पाई और उन लोगों के साथ रहने का मौका मिला जो बहुत प्रेरणादायी हैं। यह उस नई शुरूआत के लिए और अपने सपनों की तरफ कदम बढ़ाने का वक्त है।''

हरनाज का इस फिल्म में क्या रोल होने वाला है, इस बात की अभी तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है लेकिन उसका अब इस फिल्म में जुड़ना, फिल्म को लेकर दर्शकों के एक्साइटमैंट को और भी बढ़ा रहा है। अब देखना होगा कि कैसे हरनाज अपनी खूबसूरती का जलवा फिल्म में बिखेरती है और क्या वह लोगों को अपने काम से खुश कर पाएगी।

सोनम बाजवा भी बनी फिल्म का हिस्सा

हाल ही में साजिद की प्रोडक्शन कम्पनी ने फिल्म से एक और अपडेट शेयर किया था। उन्होंने पंजाबी एक्ट्रेस सोनम बाजवा को 'बागी 4' का हिस्सा बनाने की सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए घोषणा की थी।

फिल्म में मुख्य खलनायक के तौर पर प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला ने दिग्गज एक्टर संजय दत्त को कास्ट किया है। उन्होंने फिल्म से उसका लुक भी शेयर किया था, जिसमें उसे 'आशिक' बताया गया था।

देखना होगा कि क्या यह पिछली तीनों फिल्मों की ही तरह बॉक्स ऑफिस पर कमाई कर पाएगी या नहीं।

स्वत्वाधिकारी **'बात हिन्दुस्तान की'** (पाक्षिक) पत्रिका के लिए मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती सोनी कुमारी झा, 23 रामकुमार गांगुली लेन, 2रा तल्ला कमरा नं. 203, पोस्ट- बी. गार्डेन, शिवपुर, हावड़ा-711103 (प. बंगाल) फोन न.: 8902221434 से प्रकाशित एवं चपला मुद्रण, 2/3/1, रामजी हजरा लेन, हावड़ा-711101 से मुद्रित, सम्पादक-**उमेश तिवारी,** फोन- 8420899919 पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी, ईमेल/वेबसाईट-www.baathindustanki@gmail.com

(Owner, Printer & Publisher of 'Baat Hindustan Ki' : Smt. Soni kumari Jha, 23, Ramkumar Ganguly Lane, 2nd floor, room no-203, PO : B.Garden, Shibpur, Howrah-711103, Mo. 9798848926 & Printed from CHAPLA MUDRAN 2/3/1 Ramji Hazra Lane, Shibpur, Howrah-711101, Editor : **Umesh Tiwari** Mo. 8420899919, Email/Website : www.baathindustanki@gmail.com)